



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 46]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 14 नवम्बर 2014-कार्तिक 23, शके 1936

भाग 3 (1)

विज्ञापन

अन्य सूचनाएं

नाम परिवर्तन

मेरा सही नाम नीति अग्रवाल (NITI AGRAWAL) है, जबकि मेरे पुत्रों समर्थ अग्रवाल और सार्थक अग्रवाल की दसवीं की मार्कशीट में मेरा नाम नीतू अग्रवाल (NEETU AGRAWAL) लिखा गया है जो कि गलत है. अतः दोनों की मार्कशीट में मेरा सही नाम नीति अग्रवाल (NITI AGRAWAL) लिखा व पढ़ा जावे.

पुराना नाम :

(नीतू अग्रवाल)

(NEETU AGRAWAL)

(410-बी.)

नया नाम :

(नीति अग्रवाल)

(NITI AGRAWAL)

बडाबम, खण्डवा (मध्यप्रदेश).

सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरा नाम कु. नितेश सक्सेना पुत्री श्री आर. पी. सक्सेना था, मैं प्रारम्भ से ही अपने सभी दस्तावेजों में अपना उपनाम सक्सेना लिखती आ रही हूँ जबकि मेरे पिताजी अपना नाम व उपनाम आर. पी. वर्मा/रामप्रसाद वर्मा लिखते थे. अतः हमें उसी अनुसार कु. नितेश सक्सेना पुत्री श्री आर. पी. वर्मा नाम से ही लिखते थे.

(413-बी.)

नितेश सक्सेना

पुत्री श्री आर. पी. वर्मा,

32, गुजरपुरा, भोपाल (मध्यप्रदेश).

CHANGE OF NAME

I, Kashish Bansal have changed my name from "Kashish Bansal" to "Keshav Bansal" by affidavit sworn before notary public, Indore (M. P.). Henceforth I shall be known as "Keshav Bansal" for all purposes.

पुराना नाम :

(कशिश बंसल)

(Kashish Bansal)

(415-B.)

नया नाम :

(केशव बंसल)

(Keshav Bansal)

5, Sheshadri Colony,

Opp. Kila Maidan, Indore (M.P.).

नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम शासकीय व अशासकीय अभिलेखों में जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी लिखा है. अब मैं अपने नाम जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी के स्थान पर जितेन्द्र तिवारी लिखना चाहता हूँ.

अतः समस्त शासकीय व अशासकीय अभिलेखों में मेरा नाम जितेन्द्र तिवारी लिखा व पढ़ा जाए.

पुराना नाम :

(जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी)

(416-बी.)

नया नाम :

(जितेन्द्र तिवारी)

नाम परिवर्तन

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम ऐलीअम्मा कुरीयन था, जो शादी के बाद राजम पिल्लई पति व्ही. एस. मोहन पिल्लई हो गया है. अतः अब मुझे मेरे नये नाम राजम पिल्लई के नाम से जाना, पहचाना, पढ़ा, लिखा जावे.

पुराना नाम :

(ऐलीअम्मा कुरीयन)

(417-बी.)

नया नाम :

(राजम पिल्लई)

पति व्ही. एस. मोहन पिल्लई,
16-बी, सिल्वर हिल, धार (मध्यप्रदेश).

NOTICE**U/S. 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932**

Notice is hereby given that the firm " M/s JAI PITAMBRA CONSTRUCTION COMPANY" of Gwalior *Vide* Reg. No. 02/42/01/00037/14, Dated 28-05-2014 undergone the following changes:-

1. That Shri Ritesh Gupta S/o Shri Mahesh Chand Gupta has Joined the Partnership firm w. e. f. 28-06-2014.
2. That Shri Sunil Khanduja S/o Shri Uttam Chand Khanduja has retire from the Partnership firm w. e. f. 28-06-2014.

Mukesh Gupta,

(Working Partner)

" M/s JAI PITAMBRA CONSTRUCTION COMPANY ",
102, Gayadani Appartment, Maina Wali Gali,
Gird (Gwalior) Gwalior (M.P.)-474009.

(411-B.)

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेसर्स मंजूर हुसैन एंड संस पार्टनरशिप फर्म के रूप में स. पंजीयक कार्यालय फर्म्स एवं संस्थाएं, इंदौर में पंजीकृत है. यहकि दिनांक 07-08-2012 को फर्म के साझेदार मंजूर हुसैन मलिक पिता श्री तालिब हुसैन मलिक, पोस्ट सुलगाँव, जिला पूर्व निमाड़ (मध्यप्रदेश) की मृत्यु होने से फर्म के साझेदार नहीं रहे एवं दिनांक 08-08-2012 को फर्म में जाकिर हुसैन पिता श्री मंजूर हुसैन मलिक, पोस्ट सुलगाँव, जिला पूर्व निमाड़ (मध्यप्रदेश) को फर्म में भागीदार के रूप में शामिल किया गया है. इंडियन पार्टनरशिप एक्ट, 1932 अंतर्गत पालनार्थ सर्व सूचना है.

For M/s Manzoor Hussain and Sons

मैहमूद मलिक,

(Partner).

(412-बी.)

जाहिर सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, मैं, मेसर्स गोविंदराम मोतीराम कंधारी फर्म जिसका पता शाप नम्बर-42, नवीन फल एवं सब्जी मंडी, तेजपुर गड़बड़ी, इन्दौर जिसका पंजीयन क्रमांक 03/27/03/00247/14 एक भागीदारी फर्म है. जिसके भागीदार 1. श्री देवेन्द्र कंधारी पिता श्री रामचन्द्र कंधारी, 2. श्री महेश कुमार पिता श्री मनोहरलाल मूलचंदानी, 3. श्री केशव पिता श्री सुरेश कुमार मूलचंदानी थे जिसमें से 1. श्री देवेन्द्र कंधारी पिता श्री रामचन्द्र कंधारी दिनांक 12-08-2014 को उक्त भागीदारी फर्म से अलग हो गये हैं. अब इनका उक्त फर्म से कोई लेना-देना नहीं है.

तर्फे मेसर्स गोविंदराम मोतीराम कंधारी

1. श्री महेश कुमार पिता श्री मनोहरलाल मूलचंदानी,
2. श्री केशव पिता श्री सुरेश कुमार मूलचंदानी
(भागीदार).

(414-बी.)

विविध

न्यायालयों की सूचनाएं

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक, सार्वजनिक न्यास, सिवनी-मालवा

प्र.क्र. -बी/113(1)वर्ष 2013-14.

सिवनी-मालवा, दिनांक 23 अगस्त, 2014

प्रारूप-चार

[मध्यप्रदेश सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-5(2) एवं मध्यप्रदेश सार्वजनिक न्यास 1962 के नियम-5(1) अन्तर्गत]

क्र.1584/री/न्यास/2014.—जैसा कि श्री भीलटदेव मंदिर प्रबंधन ट्रस्ट (न्यास) ग्राम भमेडीदेव (भीलटदेव), तहसील सिवनी-मालवा सर्वराहकार महन्त गोविन्ददास पिता दरवेश्वर गवली यादव, निवासी ग्राम भमेडीदेव, तहसील सिवनी-मालवा, जिला होशंगाबाद ने अनुसूची में दर्शित न्यास/सम्पत्ति को सार्वजनिक न्यास के रूप में पंजीयन कराने हेतु मध्यप्रदेश सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-4 के अंतर्गत एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त आवेदन-पत्र पर मेरे द्वारा न्यास में दिनांक 28 नवम्बर, 2014 को विचार किया जावेगा.

2. उक्त ट्रस्ट के कार्य अथवा सम्पत्ति से कोई व्यक्ति यदि हित रखता हो या कोई आपत्ति व सुझाव देना चाहता हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशन होने के एक माह के भीतर लिखित विवरण दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकता है और वह स्वयं अथवा अधिवक्ता/अभिकर्ता के माध्यम से मेरे समक्ष पेशी दिनांक 28 नवम्बर, 2014 को उपस्थित हो सकता है समयावधि के समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा.

आज दिनांक 27 अक्टूबर, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया.

प्रकाश सिंह चौहान,
अनुविभागीय अधिकारी.

(856)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रार, लोक न्यास, मल्हारगढ़, जिला मन्डसौर

प्र.क्र./01/बी-113/2014-15.

दिनांक 20 अक्टूबर, 2014

प्रारूप-चार

[नियम 5 (1) देखिये]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-5 की उपधारा (2) और मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम-5 (1) देखिये]

चूंकि श्री मिथलेश पिता श्रीकांत मेहता वगेरा 7, श्री शिवाम्बा बहामोत्थान सेवा संस्थान निनोरा, तहसील मल्हारगढ़ ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-4 के अन्तर्गत अनुसूची में विनिर्दिष्ट सम्पत्ति के लोक न्यास के पंजीयन हेतु आवेदन पेश किया है.

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन पर मेरे न्यायालय में दिनांक 18 नवम्बर, 2014 को दिन में सुबह 11.00 बजे विचार में लिया जावेगा. कोई भी व्यक्ति जो उक्त न्यास की सम्पत्ति में हित रखते हों और कोई आपत्ति या सुझाव देना चाहते हों तो लिखित में दो-दो प्रति इस सूचना-पत्र के प्रकाशन के एक माह के अन्दर प्रस्तुत करें. अन्यथा उक्त दिनांक को मेरे समक्ष में स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं. उपरोक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा.

अनुसूची

लोक न्यास का नाम	:	श्री मिथलेश पिता श्रीकांत मेहता वगेरा 7,
पता.	:	श्री शिवाम्बा बहामोत्थान सेवा संस्थान निनोरा, तहसील मल्हारगढ़.
चल-अचल सम्पत्ति	:	निरंक.

आर. पी. वर्मा,
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व).

(852)

अन्य सूचनाएं

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला बुरहानपुर

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/593.—यह कि माँ वैष्णवी साख सहकारी समिति मर्यादित, फोपनार, पंजीयन क्रमांक 1909, दिनांक 22 मार्च, 2004 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/284, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षवान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये माँ वैष्णवी साख सहकारी समिति मर्यादित, फोपनार को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एस. एन. टाले, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/594.—यह कि जय मातादी साख सहकारी समिति मर्यादित, बहादुरपुर, पंजीयन क्रमांक 1979, दिनांक 12 अक्टूबर, 2006 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/285, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षक करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षवान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये जय मातादी साख सहकारी समिति मर्यादित, बहादुरपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एस. एन. टाले, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-A)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/595.—यह कि माँ गायत्री को-ऑपरेटिव्ह एग्रो सोसायटी लिमिटेड, बसाड, पंजीयन क्रमांक 1879, दिनांक 29 अक्टूबर, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/288, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षान्वित है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये माँ गायत्री को-ऑपरेटिव्ह एग्रो सोसायटी लिमिटेड, बसाड को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एस. एन. टाले, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-B)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/596.—यह कि विकास कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित, नेपानगर, पंजीयन क्रमांक 1620, दिनांक..... को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/294, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु

सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये विकास कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित, नेपानगर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री दिनेश गुप्ता, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-C)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/597.—यह कि भगवान महावीर को-ऑपरेटिव्ह एग्री सर्विस सोसायटी लिमिटेड, शाहपुर, पंजीयन क्रमांक 2101, दिनांक 27 जून, 2008 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/289, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये भगवान महावीर को-ऑपरेटिव्ह एग्री सर्विस सोसायटी लिमिटेड, शाहपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री पी. एम. सोनवणे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-D)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/598.—यह कि सदगुरु जैविक खाद क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, निम्बोला, पंजीयन क्रमांक 2004, दिनांक 24 मार्च, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/290, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा

विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये सदगुरु जैविक खाद क्रय-विक्रय सहकारी समिति मर्यादित, निम्बोला को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री विवेक पिम्पलीकर, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-E)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/599.—यह कि धनलक्ष्मी कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1746, दिनांक 01 जनवरी, 2000 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/292, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये धनलक्ष्मी कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री दिनेश गुप्ता, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-F)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/600.—यह कि माँ नवदुर्गा कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1794, दिनांक

28 अगस्त, 2000 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/293, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये माँ नवदुर्गा कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री दिनेश गुप्ता, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-G)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/601.—यह कि प्लस श्रमिक कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित, नेपालगर, पंजीयन क्रमांक 24, दिनांक 07 फरवरी, 2013 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/295, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये प्लस श्रमिक कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित, नेपालगर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री विवेक पिम्पलीकर, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-H)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/602.—यह कि गणेश फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, बोरीबुजुर्ग, पंजीयन क्रमांक 2017, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/296, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये गणेश फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, बोरीबुजुर्ग को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री विवेक पिम्पलीकर, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-I)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/603.—यह कि वाघेश्वरी फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, पूरा, पंजीयन क्रमांक 2018, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/297, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये वाघेश्वरी फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, पूरा को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री विवेक पिम्पलीकर, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-J)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/604.—यह कि शिवाबाबा फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, गंभीरपूरा, पंजीयन क्रमांक 2019, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/298, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये शिवाबाबा फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, गंभीरपूरा को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री विवेक पिम्पलीकर, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-K)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/605.—यह कि माँ भगवती फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, अम्बा, पंजीयन क्रमांक 2020, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/299, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999

द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये माँ भगवती फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, अम्बा को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री विवेक पिम्पलीकर, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-L)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/606.—यह कि फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, महलगुराडा, पंजीयन क्रमांक 2021, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/300, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, महलगुराडा को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री विवेक पिम्पलीकर, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-M)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/607.—यह कि फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, नसीराबाद, पंजीयन क्रमांक 2022, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/301, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, नसीराबाद को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री विवेक पिम्पलीकर, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-N)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/608.—यह कि पवन पुत्र हनुमान फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, चिखल्या, पंजीयन क्रमांक 2023, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/302, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये पवन पुत्र हनुमान फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, चिखल्या को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश जोशी, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-O)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/609.—यह कि आशादेवी फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, धूलकोट, पंजीयन क्रमांक 2024, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/303, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की

जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन कराना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये आशादेवी फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, धूलकोट को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश जोशी, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-P)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/610.—यह कि श्री राधास्वामी फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, झिरपांजरीया, पंजीयन क्रमांक 2025, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/304, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये श्री राधास्वामी फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, झिरपांजरीया को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश जोशी, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-Q)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/611.—यह कि फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, निम्बोला, पंजीयन क्रमांक 2026, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/305, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये

वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, निम्बोला को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश जोशी, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-R)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/612.—यह कि योगेश्वर फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, सांडसकला, पंजीयन क्रमांक 2061, दिनांक 04 अगस्त, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/306, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये योगेश्वर फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, सांडसकला को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश जोशी, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-S)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/613.—यह कि चामुंडादेवी फसल संरक्षण सहकारी समिति मर्यादित, धूलकोट, पंजीयन क्रमांक 2062, दिनांक 04 अगस्त, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/

विधि/2014/307, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये चामुंडादेवी फसल संरक्षण सहकारी समिति मर्यादित, धूलकोट को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश जोशी, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-T)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/614.—यह कि शिवशक्ती फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, दवाटिया, पंजीयन क्रमांक 2015, दिनांक 20 अप्रैल, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/308, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये शिवशक्ती फसल सुरक्षा सहकारी समिति मर्यादित, दवाटिया को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश जोशी, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-U)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/615.—यह कि प्रेरणा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, जैनाबाद, पंजीयन क्रमांक 1846, दिनांक 18 मार्च, 2002 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/309, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये प्रेरणा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, जैनाबाद को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री पी. एम. सोनवणे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-V)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/616.—यह कि श्री ईच्छा आदर्श बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, ईच्छापुर, पंजीयन क्रमांक 1918, दिनांक 31 मई, 2004 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/311, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999

द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये श्री ईच्छा आदर्श बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, ईच्छापुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री पी. एम. सोनवणे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-W)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/617.—यह कि श्री माँ भगवती महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, चिंचाला, पंजीयन क्रमांक 1924, दिनांक 28 अप्रैल, 2004 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/312, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये श्री माँ भगवती महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, चिंचाला, को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री पी. एम. सोनवणे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(853-X)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/618.—यह कि माँ संतोषी महिला आदर्श बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, दहीनाला, पंजीयन क्रमांक 1927, दिनांक 09 सितम्बर, 2004 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/313, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये माँ संतोषी महिला आदर्श बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, दहीनाला को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री पी. एम. सोनवणे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-Y)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/619.—यह कि प्रसुन्न महिला आदर्श बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, बोरगांवखुर्द, पंजीयन क्रमांक 1857, दिनांक 01 अप्रैल, 2002 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/314, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये प्रसुन्न महिला आदर्श बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, बोरगांवखुर्द को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री पी. एम. सोनवणे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(853-Z)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/620.—यह कि माँ हरसिद्धी आदर्श महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, दवाटिया, पंजीयन क्रमांक 1932, दिनांक 27 नवम्बर, 2004 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/315, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध

के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये मॉनोहरसिद्धी आदर्श महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, दवाटिया को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री पी. एम. सोनवणे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(854)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/621.—यह कि मनीषा आदर्श महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, रायगाँव, पंजीयन क्रमांक 1899, दिनांक 05 फरवरी, 2004 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/316, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षक करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये मनीषा आदर्श महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, रायगाँव को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री पी. एम. सोनवणे, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(854-A)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/622.—यह कि रिद्धी-सिद्धी पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1152, दिनांक 06 मार्च, 1975 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/317, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा

विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये रिद्धी-सिद्धी पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश पटेल, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(854-B)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/623.—यह कि भारत पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1315, दिनांक 17 दिसम्बर, 1989 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/318, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये भारत पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश पटेल, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(854-C)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/624.—यह कि जनता पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1139, दिनांक 16 जुलाई, 1974 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/

विधि/2014/319, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये जनता पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश पटेल, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-D)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/625.—यह कि संगम पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1128, दिनांक 22 फरवरी, 1974 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/320, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये संगम पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश पटेल, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-E)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/626.—यह कि ताप्ती पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1083, दिनांक 20 फरवरी, 1973 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/322, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्ड्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये ताप्ती पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेष पटेल, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-F)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/627.—यह कि श्री गणेश पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 847, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/323, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्ड्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये श्री गणेश पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेष पटेल, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-G)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/628.—यह कि किरण पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1328, दिनांक 16 मार्च, 1984 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/324, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षान्वित है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्डह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये किरण पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री चन्द्रेश पटेल, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-H)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/629.—यह कि मारूती पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1249, दिनांक 05 सितम्बर, 1981 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/325, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षान्वित है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्डह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये मारूती पावरलुम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री ललित भावसार, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-I)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/630.—यह कि राजकमल पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1393, दिनांक 18 मार्च, 1966 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/327, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये राजकमल पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री ललित भावसार, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-J)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/631.—यह कि पारस पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1937, दिनांक 19 सितम्बर, 1990 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/329, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999

द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये पारस पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री ललित भावसार, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-K)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/632.—यह कि दि बुरहानपुर रोप एण्ड मेन्युफेक्चरिंग हेण्डलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 321, दिनांक 05 मई, 1945 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/330, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये दि बुरहानपुर रोप एण्ड मेन्युफेक्चरिंग हेण्डलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री ललित भावसार, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-L)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/633.—यह कि कल्पना काटन विवर्स बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1140, दिनांक 01 मई, 1974 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/331, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये.

साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये कल्पना काटन विवर्स बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री ललित भावसार, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(854-M)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/634.—यह कि प्रशिक्षित महिला हाथकरघा बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 44, दिनांक 15 मई, 1989 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/332, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये प्रशिक्षित महिला हाथकरघा बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री ललित भावसार, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(854-N)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/635.—यह कि इण्डिया पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक....., दिनांक को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/333, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा

संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये इण्डिया पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री ललित भावसार, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(854-O)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/636.—यह कि एमागिर्द पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 640, दिनांक 25 फरवरी, 1997 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/334, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन कराना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया। निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये। साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया। जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है।

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये एमागिर्द पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री सी. एस. जुनागढे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(854-P)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/637.—यह कि पाकीजा पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1579, दिनांक 29 मार्च, 1996 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/335, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में

हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये पाकीजा पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री सी. एस. जुनागढे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-Q)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/638.—यह कि सहयोग पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1705, दिनांक 30 अक्टूबर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/336, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये सहयोग पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री सी. एस. जुनागढे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-R)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/639.—यह कि रिजनेबल पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1703, दिनांक 30 अक्टूबर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र

क्रमांक/विधि/2014/337, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये रिजनेबल पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री सी. एस. जुनागढे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-S)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/640.—यह कि नटराज पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1990, दिनांक 29 दिसम्बर, 2006 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/338, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये नटराज पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री सी. एस. जुनागढे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-T)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/641.—यह कि बादल पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1915, दिनांक 02 नवम्बर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/342, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये बादल पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री सी. एस. जुनागढे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-U)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/642.—यह कि हर्षसिद्धि पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1717, दिनांक 02 नवम्बर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/343, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये हर्षसिद्धि पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री सी. एस. जुनागढे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-V)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/643.—यह कि जय अम्बे पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1718, दिनांक 02 नवम्बर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/344, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये जय अम्बे पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री सी. एस. जुनागढे, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-W)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/644.—यह कि पदमिनी पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1720, दिनांक 02 नवम्बर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/345, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये पदमिनी पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एच. सी. महाजन, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-X)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/645.—यह कि दर्पण पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1724, दिनांक 02 नवम्बर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/346, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये दर्पण पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एच. सी. महाजन, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ:

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-Y)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/646.—यह कि सहारा पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1725, दिनांक 02 नवम्बर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/347, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये सहारा पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत एच. सी. महाजन, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(854-Z)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/647.—यह कि मोती पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1730, दिनांक 02 नवम्बर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/348, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये मोती पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एच. सी. महाजन, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(855)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/648.—यह कि हिना पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1734, दिनांक 02 नवम्बर, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/350, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृति का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये हिना पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एच. सी. महाजन, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(855-A)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/649.—यह कि नवदुर्गा पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1742, दिनांक 23....., 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/354, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये नवदुर्गा पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एच. सी. महाजन, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(855-B)

बुरहानपुर, दिनांक 24 जुलाई, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2014/650.—यह कि पुष्पा पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर, पंजीयन क्रमांक 1748, दिनांक 07 फरवरी, 2000 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कार्यालयीन कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/विधि/2014/356, बुरहानपुर, दिनांक 28 मार्च, 2014 के द्वारा जारी कर संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 नियम 1962 में हुये नवीन संशोधनों के परिप्रेक्ष्य में सहकारी संस्थाओं के वार्षिक लेखों की संपरीक्षा वर्ष समाप्ति के 6 माह की अवधि के भीतर पूर्ण कराने का दायित्व निर्धारित करते हुये वैधानिक संपरीक्षा हेतु विभागीय संपरीक्षकों के अतिरिक्त सनदी लेखापाल से वैधानिक संपरीक्षा कराने की वैकल्पिक सुविधा विहित की जाकर संपरीक्षा करने हेतु विभागीय संपरीक्षक अथवा सनदी लेखापाल की नियुक्ति हेतु संस्था की साधारण सभा में अधिकृत का प्रावधान किया जाने पर आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी किये गये निर्देशों के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा संस्था को बार-बार लेख करने के उपरांत भी वर्ष 2012-13 के अंकेक्षण हेतु साधारण सभा में प्रस्ताव पारित कर संपरीक्षक की नियुक्ति हेतु कोई कार्यवाही नहीं की जाने से एवं अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधियों के अधीन किन्हीं ऐसी शर्तों का जो रजिस्ट्रीकरण या प्रबंध के बारे में हो अनुपालन करना बन्द कर दिया जाने से परिसमापन में लाने हेतु लिखा जाकर 30 दिवस के अन्दर अपना लिखित उत्तर इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया गया. निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हुये. साथ ही संपरीक्षा हेतु आज दिनांक तक कोई विकल्प प्रस्तुत नहीं किया. जिससे स्पष्ट होता है कि संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, नियम, पंजीकृत उपविधि एवं रजिस्ट्रार के आदेशों का पालन करने में उपेक्षावान है/सहमत नहीं है.

इस हेतु संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, जे. एल. बरडे, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के तहत प्रदत्त अधिकार जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का प्रयोग करते हुये पुष्पा पावरलूम बुनकर सहकारी समिति मर्यादित, बुरहानपुर को परिसमापन में लाया जाता है तथा संस्था के कार्य संचालन हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के तहत श्री एच. सी. महाजन, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 24 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

जे. एल. बरडे,

उप-पंजीयक.

(855-C)



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 46]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 14 नवम्बर 2014-कार्तिक 23, शके 1936

भाग 3 (2)

सांख्यिकीय सूचनाएं

कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश

मौसम, फसल एवं पशु-स्थिति का साप्ताहिक प्रतिवेदन, सप्ताहान्त बुधवार, दिनांक 16 जुलाई, 2014

1. मौसम एवं वर्षा.—राज्य में इस सप्ताह आकाश मेघाच्छादित रहा है तथा राज्य के अधिकांश जिलों में वर्षा का होना पाया गया है.—

(अ) 0.1 मि. मी. से 17.4 मि. मी. तक.—तहसील अम्बाह, सबलगढ़ (मुरैना), श्योपुर (श्योपुर), डबरा, भितरवार (ग्वालियर), भाण्डेर (दतिया), शिवपुरी, पोहरी (शिवपुरी), आरोन (गुना), पृथ्वीपुर, जतारा, ओरछा (टीकमगढ़), लवकुशनगर, गौरीहार, राजनगर, बकस्वाहा (छतरपुर), अजयगढ़ (पन्ना), केसली (सागर), पटेरा (दमोह), रघुराजनगर, मझगवां, नागौद, अमरपाटन, मैहर, बिरसिंहपुर (सतना), मानपुर (उमरिया), चुरहट, रामपुरनैकिन (सीधी), मो. बड़ोदिया, शुजालपुर, कालापिपल, गुलाना (शाजापुर), मनावर, धरमपुरी, गंधवानी (धार), केवलारी (सिवनी) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(ब) 17.5 मि. मी. से 34.9 मि. मी. तक.—तहसील ग्वालियर (ग्वालियर), कोलारस (शिवपुरी), पलेरा (टीकमगढ़), नौगांव, छतरपुर, बड़ामलहरा (छतरपुर), शाहनगर (पन्ना), बीना, सागर, मालथोन (सागर), हटा, दमोह, पथरिया (दमोह), रामपुरबघेलान (सतना), गोपदबनास, मझौली (सीधी), बाजना, पिपलौदा (रतलाम), झाबुआ (झाबुआ), उदयगढ़ (अलीराजपुर), सरदारपुर (धार), कुरवाई (विदिशा), मझौली (जबलपुर), छिन्दवाड़ा, परासिया, मोहखेड़ा (छिन्दवाड़ा) कुरई (सिवनी), वारासिवनी (बालाघाट) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(स) 35.0 मि. मी. से 53.1 मि. मी. तक.—तहसील विजयपुर (श्योपुर), दतिया (दतिया), खनियाधाना, बदरवास (शिवपुरी), गुना (गुना), टीकमगढ़ (टीकमगढ़), बिजावर (छतरपुर) पवई (पन्ना), बण्डा, गढ़ाकोटा, राहतगढ़ (सागर), जवेरा (दमोह), जेतहरी (अनूपपुर), सिंहावल (सीधी), सुबासराटप्पा, मल्हारगढ़, सीतामऊ, संजीत (मंदसौर), मेघनगर, पेटलावद, राणापुर (झाबुआ), जोवट, कट्टीवाड़ा, च. शेखरआजाद नगर, (अलीराजपुर), बड़वानी, पानसेमल (बड़वानी), सीहोरा, कुन्डम (जबलपुर), कटंगी (बालाघाट) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(द) 53.2 मि. मी. से 244.9 मि. मी. तक.—तहसील कराहल (श्योपुर), सेंवड़ा (दतिया), पिछोर, शिवपुरी (शिवपुरी), राघोगढ़, बमोरी, चाचोड़ा, कुंभराज, (गुना), पन्ना, गुन्तौर (पन्ना), खुरई, रहली, देवरी, शाहगढ़ (सागर), बटियागढ़, तेन्दूखेड़ा (दमोह), उचेहरा (सतना), अनूपपुर, कोतमा, पुष्पराजगढ़ (अनूपपुर), बांधवगढ़, पाली (उमरिया), धुन्धड़का (मंदसौर), जावरा, आलोट, रतलाम (रतलाम), शाजापुर (शाजापुर), थांदला (झाबुआ), अलीराजपुर, खोण्डवा (अलीराजपुर), बदनावर, धार, कुक्षी, डही (धार), ठीकरी, राजपुर, सेंधवा, पाटी, निवाली (बड़वानी), बुरहानपुर, खकनार, नेपानगर (बुरहानपुर), लटेरी, सिरोंज, बासौदा, नटेरन, विदिशा, गुलाबगंज, ग्यारसपुर (विदिशा), बैरसिया, हुजूर (भोपाल), सीहोर, आष्टा, इच्छावर, नसरुल्लागंज, बुधनी (सीहोर), रायसेन, गैरतगंज, बेगमगंज, बरेली, सिलवानी, उदयपुरा (रायसेन), भैंसदेही,

घोड़ाडोंगरी, शाहपुरा, चिचोली, बैतूल, मुल्ताई, आठनेर, आमला (बैतूल), सिवनी-मालवा (होशंगाबाद), बावई, इटारसी, सोहागपुर, पिपरिया, वनखेड़ी, पचमढ़ी (होशंगाबाद), पाटन, जबलपुर (जबलपुर), गाडरवाड़ा, बरेली, नरसिंहपुर, गोटेगांव (नरसिंहपुर), निवास, बिछिया, नैनपुर, मण्डला, घुघरी, नारायणगंज (मण्डला), डिण्डोरी, बजाग, शाहपुर (डिण्डोरी), जुन्नारदेव, तामिया, सोंसर, पांढुर्णा, अभरवाड़ा, चोरई, बिछुआ, हरई (छिन्दवाड़ा), सिवनी, लखनादौन, बरघाट, घन्सौर, घनौरा, छपारा (सिवनी), बालाघाट, लांजी, बेहर (बालाघाट) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

(ड) 245.0 मि. मी. से 450.0 मि. मी. तक. — तहसील गोहरगंज, बाड़ी (रायसेन), तेन्दूखेड़ा (नरसिंहपुर) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

2. जुताई.—जिला श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, सागर, दमोह, सतना, रीवा, अनूपपुर, उमरिया, सीधी, सिंगरौली, मंदसौर, खरगौन, बड़वानी, रायसेन, होशंगाबाद, जबलपुर, मण्डला, डिण्डोरी, छिन्दवाड़ा, सिवनी, बालाघाट में धान रोपाई एवं जुताई का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

3. बोनी.—जिला झाबुआ में फसल मक्का, सोयाबीन, कपास व सिंगरौली में धान, तुअर, ज्वार, मूंग, उड़द, तिल, कोंदो-कुटकी व डिण्डोरी, तिली, तुअर, श्योपुर, दतिया, सागर, दमोह, सतना, रीवा, अनूपपुर, उमरिया, सीधी, मंदसौर, नीमच, धार, इन्दौर, खरगौन, बुरहानपुर, विदिशा, भोपाल, रायसेन, बैतूल, जबलपुर, नरसिंहपुर, मण्डला, छिन्दवाड़ा तथा सिवनी में बोनी का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

4. फसल स्थिति.—

..

5. कटाई.—

..

6. सिंचाई.—जिला श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, सागर, रीवा, अनूपपुर, नीमच, झाबुआ, बड़वानी, भोपाल, बैतूल, होशंगाबाद, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिन्दवाड़ा, सिवनी, बालाघाट में सिंचाई हेतु पानी कहीं-कहीं अपर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

7. पशुओं की स्थिति.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में पशुओं की स्थिति संतोषप्रद है।

8. चारा.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

9. बीज.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

10. खेतिहर श्रमिक.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में खेतिहर श्रमिक पर्याप्त संख्या व उचित दर पर उपलब्ध हैं।

मौसम, फसल तथा पशु-स्थिति का साप्ताहिक सूचना-पत्रक, सप्ताहांत बुधवार, दिनांक 16 जुलाई, 2014

जिला/तहसीलें	1. सप्ताह में हुई वर्षा:- (अ) वर्षा का माप (मि. मी.) में (ब) वर्षा कम है या बहुत अधिक.	2. कृषि कार्यों की प्रगति तथा उन पर वर्षा का प्रभाव:- (अ) प्रारम्भिक जुताई पर. (ब) बोनी पर. (स) रोपाई पर, अगर धान की रोपाई होती हो. (द) खड़ी फसल पर, रोग व कीड़ों के आक्रमण के असर का वर्णन सहित. (य) कटी हुई फसल पर.	3. अन्य असामयिक घटना और उसका फसलों पर प्रभाव. 4. खड़ी फसल का व्यापक रूप से अनुमान, गत वर्ष की तुलना में :- (1) फसल का क्षेत्रफल - (अ) अधिक, समान या कम. (ब) प्रतिशत. (2) फसल की हालत- (अ) सुधरी हुई, समान या बिगड़ी हुई. (ब) प्रतिशत.	5. सिंचाई के लिये पानी (कम अथवा अधिक). 6. पशुओं की हालत तथा चारे की प्राप्ति.	7. बीज की प्राप्ति. 8. कृषि-सम्बन्धी मजदूरों की प्राप्ति.
1	2	3	4	5	6
जिला मुरैना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. अम्बाह	9.0				
2. पोरसा	..				
3. मुरैना	..				
4. जौरा	..				
5. सबलगाढ़	10.0				
6. कैलारस	..				
जिला श्योपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) बाजरा, तिल, उड़द, मूंग, तुअर. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. श्योपुर	16.0				
2. कराल	73.0				
3. विजयपुर	36.0				
*जिला भिण्ड :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. अटेर	..				
2. भिण्ड	..				
3. गोहद	..				
4. मेहगांव	..				
5. लहार	..				
6. मिहोना	..				
7. रौन	..				
जिला ग्वालियर :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. ग्वालियर	24.7				
2. डबरा	16.0				
3. भितरवार	7.0				
4. घाटीगांव	..				
जिला दतिया :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सेवड़ा	91.0				
2. दतिया	36.0				
3. भाण्डेर	4.0				
जिला शिवपुरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गन्ना, गेहूँ, चना अधिक. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. शिवपुरी	4.0				
2. पिछोर	98.0				
3. खनियाधाना	53.0				
4. नरवर	..				
5. करैरा	..				
6. कोलारस	26.0				
7. पोहरी	12.0				
8. बदरवास	53.0				

1	2	3	4	5	6
*जिला अशोकनगर:	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. मुंगावली	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. ईसागढ़	..		(2) ..		
3. अशोकनगर	..				
4. चन्देरी	..				
5. शादौरा	..				
जिला गुना :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. गुना	46.4		4. (1) ..	6. संतोषप्रद.	8. ..
2. राधोगढ़	71.0		(2)	
3. बमोरी	98.0				
4. आरोन	8.8				
5. चाचौड़ा	82.0				
6. कुम्भराज	55.0				
जिला टीकमगढ़:	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवाड़ी	..		4. (1) मक्का, उड़द, सोयाबीन, तिली, मूंगफली.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पृथ्वीपुर	6.0		(2) ..		
3. जतारा	10.0				
4. टीकमगढ़	53.0				
5. बल्देवगढ़	..				
6. पलेरा	26.0				
7. ओरछा	13.0				
जिला छतरपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. लवकुशनगर	4.0		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. गौरीहार	10.0		(2) ..		
3. नौगांव	26.6				
4. छतरपुर	25.0				
5. राजनगर	2.2				
6. बिजावर	45.0				
7. बड़ामलहरा	19.4				
8. बकस्वाहा	4.2				
जिला पन्ना :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. ..
1. अजयगढ़	11.8		4. (1) धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, तुअर, उड़द, मूंग, सोयाबीन, तिल.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पन्ना	74.0		(2) ..		
3. गुन्नौर	83.2				
4. पवई	48.0				
5. शाहनगर	26.0				
जिला सागर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी व रोपाई का कार्य चालू है.	3. ..	5. अपर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बीना	24.8		4. (1) धान, ज्वार, मक्का, कोदों-कुटकी, उड़द, मूंग, अरहर, तिल, मूंगफली, सोयाबीन.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. खुरई	59.0		(2) ..		
3. बण्डा	40.1				
4. सागर	26.8				
5. रेहली	54.2				
6. देवरी	157.0				
7. गढ़ाकोटा	38.0				
8. राहतगढ़	50.0				
9. केसली	7.0				
10. मालथोन	25.4				
11. शाहगढ़	60.0				

1	2	3	4	5	6
जिला दमोह :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, ज्वार, मक्का, तुअर, तिल, सोयाबीन, उड़द, मूंग समान. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. हटा	26.0				
2. बटियागढ़	194.0				
3. दमोह	32.0				
4. पथरिया	27.0				
5. जवेरा	48.0				
6. तेन्दूखेड़ा	118.2				
7. पटेरा	14.0				
जिला सतना :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, सोयाबीन, उड़द, मूंग, मक्का, कोदों-कुटकी, तुअर कम. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. ... 8. पर्याप्त.
1. रघुराजनगर	11.5				
2. मझगावां	7.0				
3. रामपुर-बघेलान	20.0				
4. नागौद	1.3				
5. उचेहरा	62.0				
6. अमरपाटन	5.0				
7. रामनगर	..				
8. मैहर	10.0				
9. बिरसिंहपुर	13.0				
जिला रीवा :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, सोयाबीन, ज्वार कम. मूंग, उड़द, अरहर समान. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. त्योंथर	..				
2. सिरमौर	..				
3. मऊगांज	..				
4. हनुमना	..				
5. हजूर	...				
6. गुढ़	..				
7. रायपुरकर्चुलियान	..				
*जिला शहडोल :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. सोहागपुर	..				
2. ब्यौहारी	..				
3. जैसिंहनगर	..				
4. जैतपुर	..				
जिला अनूपपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, मक्का, सोयाबीन कम. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जैतहरी	40.9				
2. अनूपपुर	78.2				
3. कोतमा	90.7				
4. पुष्पराजगढ़	66.2				
जिला उमरिया :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, मक्का, सोयाबीन कम. (2) ..	5. ... 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बांधवगढ़	72.3				
2. पाली	78.0				
3. मानपुर	1.0				

1	2	3	4	5	6
जिला सीधी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) मक्का, ज्वार, धान, तिल, तुवर, मूंग, उड़द, कोदों-कुटकी कम. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद. ..	7. .. 8. पर्याप्त.
1. गोपदवनास	20.2				
2. सिंहावल	35.4				
3. मझौली	20.8				
4. कुसमी	..				
5. चुरहट	9.5				
6. रामपुरनैकिन	1.0				
जिला सिंगरौली :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं धान, तुअर, ज्वार, मूंग, उड़द, तिल, कोदों-कुटकी की बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. चितरंगी	..				
2. देवसर	..				
3. सिंगरौली	..				
जिला मन्दसौर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सुवासरा-टप्पा	35.4				
2. भानपुरा	18.8				
3. मल्हारगढ़	52.0				
4. गरोठ	25.4				
5. मन्दसौर	28.0				
6. श्यामगढ़	24.2				
7. सीतामऊ	40.4				
8. धुन्धड़का	81.0				
9. संजीत	35.0				
10. कयामपुर	20.4				
जिला नीमच :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जावद	..				
2. नीमच	..				
3. मनासा	..				
जिला रतलाम :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जावरा	95.0				
2. आलोट	87.0				
3. सैलाना	19.0				
4. बाजना	26.0				
5. पिपलौदा	24.0				
6. रतलाम	62.6				
जिला उज्जैन :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. खाचरौद	..				
2. महिदपुर	..				
3. तराना	..				
4. घटिया	..				
5. उज्जैन	..				
6. बड़नगर	..				
7. नागदा	..				
जिला आगर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) सोया., मक्का, उड़द समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद. ..	7. .. 8. पर्याप्त.
1. बड़ौद	..				
2. सुसनेर	..				
3. नलखेड़ा	..				
4. आगर	..				
जिला शाजापुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद. ..	7. .. 8. पर्याप्त.
1. मो. बड़ोदिया	10.0				
2. शाजापुर	58.0				
3. शुजालपुर	7.0				
4. कालापीपल	15.0				
5. गुलाना	10.0				

1	2	3	4	5	6
*जिला देवास :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. सोनकच्छ	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. टोंकखुर्द	..		(2) ..		
3. देवास	..				
4. बागली	..				
5. कन्नौद	..				
6. खातेगांव	..				
जिला झाबुआ :	मिलीमीटर	2. मक्का, सोयाबीन, कपास की बोनी का कार्य चालू है.	3. ..	5. अपर्याप्त.	7. पर्याप्त
1. थांदला	63.2		4. (1) मक्का, सोयाबीन, कपास समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. मेघनगर	44.0		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. पेटलावद	50.4				
4. झाबुआ	31.0				
5. राणापुर	40.0				
जिला अलीराजपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. ..	7. पर्याप्त.
1. जोवट	44.8		4. (1) मक्का, ज्वार, बाजरा, धान, मूंगफली, सोयाबीन, उड़द, मूंग कपास अधिक.	6. संतोषप्रद,	8. ..
2. अलीराजपुर	67.6		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. कट्टीवाड़ा	47.0				
4. सोण्डवा	140.0				
5. च.शे.आ. नगर	44.6				
6. उदयगढ़	17.8				
जिला धार :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बदनावर	79.6		4. (1) गन्ना अधिक.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. सरदारपुर	26.0		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. धार	86.3				
4. कुक्षी	102.0				
5. मनावर	17.0				
6. धरमपुरी	14.0				
7. गंधवानी	13.0				
8. डही	107.0				
जिला इन्दौर :	मिलीमीटर	2. खरीफ फसलों की बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. देपालपुर	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. सांवेर	..		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. इन्दौर	..				
4. महु	..				
(डॉ. अम्बेडकरनगर)					
जिला खरगौन :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बड़वाह	..		4. (1) ज्वार, धान, मक्का, बाजरा, कपास, मूंगफली, तुवर, गेहूँ समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. महेश्वर	..		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. सेगांव	..				
4. खरगौन	..				
5. गोगावां	..				
6. कसरावद	..				
7. भगवानपुरा	..				
8. भीकनगांव	..				
9. झिरन्या	..				

1	2	3	4	5	6
जिला बड़वानी :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं.	5. अपर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बड़वानी	45.4		4. (1) गन्ना अधिक.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. ठीकरी	54.0		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. राजपुर	65.6				
4. सेंधवा	87.0				
5. पानसेमल	36.0				
6. पाटी	102.0				
7. निवाली	63.0				
*जिला खण्डवा :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. खण्डवा	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. पंधाना	..		(2) ..		
3. हरसूद	..				
जिला बुरहानपुर :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बुरहानपुर	119.0		4. (1) ..	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. खकनार	79.6		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. नेपानगर	87.0				
जिला राजगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. पर्याप्त.
1. जीरापुर	..		4. (1) गन्ना समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. खिलचीपुर	..		(2) उपरोक्त फसल समान.	चारा पर्याप्त.	
3. राजगढ़	..				
4. ब्यावरा	..				
5. सारंगपुर	..				
6. पचोर	..				
7. नरसिंहगढ़	..				
जिला विदिशा :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. ..	5. ..	7. पर्याप्त.
1. लटेरी	76.0		4. (1) ..	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. सिरोंज	77.5		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. कुरवाई	28.2				
4. बासौदा	63.2				
5. नटेरन	98.0				
6. विदिशा	117.6				
7. गुलाबगंज	180.0				
8. ग्यारसपुर	156.0				
जिला भोपाल :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं.	5. अपर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बैरसिया	100.8		4. (1) ..	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. हुजूर	115.0		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
जिला सीहोर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी व रोपाई का कार्य चालू है.	3. ..	5. ..	7. ..
1. सीहोर	92.6		4. (1) ..	6. संतोषप्रद.	8. पर्याप्त.
2. आष्टा	172.0		(2)	
3. इछावर	189.0				
4. नसरुल्लागंज	193.4				
5. बुधनी	231.0				

1	2	3	4	5	6
जिला रायसेन :	मिलीमीटर	2. बोनी एवं धान की रोपाई का कार्य चालू है.	3. . . 4. (1) धान, ज्वार, मक्का, कोदों-कुटकी, तुअर, मूंग, उड़द, सोयाबीन, मूंगफली, तिल. (2) . .	5. . . 6. संतोषप्रद. . .	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. रायसेन	120.0				
2. गैरतगंज	88.9				
3. बेगमगंज	131.0				
4. गोहरगंज	272.0				
5. बरेली	105.0				
6. सिलवानी	90.5				
7. बाड़ी	301.5				
8. उदयपुरा	116.2				
जिला बैतूल :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) सोयाबीन, धान, मक्का कम. (2) . .	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. भैसदेही	65.6				
2. घोड़ाडोंगरी	98.2				
3. शाहपुर	88.2				
4. चिचोली	114.2				
5. बैतूल	177.7				
6. मुलताई	98.3				
7. आठनेर	95.2				
8. आमला	58.0				
जिला होशंगाबाद :	मिलीमीटर	2. धान की रोपाई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गन्ना समान. (2) उपरोक्त फसल समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सिवनी-मालवा	124.2				
2. होशंगाबाद	152.2				
3. बाबई	103.0				
4. इटारसी	126.4				
5. सोहागपुर	186.0				
6. पिपरिया	138.9				
7. वनखेड़ी	124.4				
8. पचमढ़ी	121.8				
*जिला हरदा :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) . . (2) . .	5. . . 6. . .	7. . . 8. . .
1. हरदा	. .				
2. खिड़किया	. .				
3. टिमरनी	. .				
जिला जबलपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. . . 4. (1) . . (2) . .	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सीहोरा	41.4				
2. पाटन	76.8				
3. जबलपुर	83.0				
4. मझौली	29.0				
5. कुण्डम	48.0				
जिला कटनी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, तिल, मक्का, राहर, उड़द. (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. कटनी	. .				
2. रीठी	. .				
3. विजयराघवगढ़	. .				
4. बहोरीबंद	. .				
5. ढीमरखेड़ा	. .				
6. बरही	. .				
7. बड़वारा	. .				

1	2	3	4	5	6
जिला नरसिंहपुर :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) तुअर, सोयाबीन धान. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. गाडरवारा	156.0				
2. करेली	135.0				
3. नरसिंहपुर	141.0				
4. गोटेगांव	158.0				
5. तेन्दूखेड़ा	286.0				
जिला मण्डला :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. निवास	54.9				
2. बिछिया	65.4				
3. नैनपुर	126.4				
4. मण्डला	98.6				
5. घुघरी	75.9				
6. नारायणगंज	72.2				
जिला डिण्डोरी :	मिलीमीटर	2. धान, उड़द, तिली, तुअर की बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. डिण्डोरी	93.0				
2. बजाग	112.6				
3. शाहपुरा	103.0				
जिला छिन्दवाड़ा :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. छिन्दवाड़ा	32.2				
2. जुन्नारदेव	58.2				
3. परासिया	32.2				
4. जामई (तामिया)	198.0				
5. सोंसर	64.0				
6. पांढुर्णा	116.4				
7. अमरवाड़ा	55.4				
8. चौरई	74.7				
9. बिछुआ	60.7				
10. हरई	54.4				
11. मोहखेड़ा	27.2				
जिला सिवनी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) मक्का, मूँग अधिक. धान, ज्वार, कोदों-कुटकी, तुअर, उड़द, मूँगफली, सोयाबीन, तिल, सन कम. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सिवनी	97.0				
2. केवलारी	11.0				
3. लखनादौन	59.0				
4. बरघाट	76.9				
5. कुरई	25.0				
6. घंसौर	84.0				
7. घनोरा	73.6				
8. छपारा	115.8				
जिला बालाघाट :	मिलीमीटर	2. धान की रोपाई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बालाघाट	87.8				
2. लाँजी	82.6				
3. बैहर	112.4				
4. वारासिवनी	33.2				
5. कटंगी	39.1				
6. किरनापुर	..				

टीप.— *जिला भिण्ड, अशोकनगर, शहडोल, देवास, खण्डवा, हरदा से पत्रक अप्राप्त रहे हैं.

राजीव रंजन,

आयुक्त,

भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश.

(851)